(d) what further action Government propose to take for the modernisation of sick Textile Mills in the country and bring them out of red in the near future ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT) : (a) to (d) In pursuance of Textile policy announced by Government of India in June 85, Textile Modernisation Fund Scheme (IMFS), was introduced by Industrial Development Bank of India (IDBI), in 1986 with a view to extending financial assistance for modernisation of textile mills through replacement/renovation of equipment/machinery, upgradation of technology, improvement of product quality and enhancement of export capability. TMF, set up with a corpus of Rs. 7.50 crore was intended to be utilised over a period of 5 years (1986—91). As on Aug. '92 an amount of Rs. 853.25 crore has been disbursed under the scheme. The amount disbursed to Textile Mills since 1987 is given below :—

(Rs. in crore)

Year	Disbursed
1987-88 (July-June)	179
1988-89 (July-June)	174
1989-90 (July-March)	174
1990-91 (April-March)	141
1991-92 (April-March)	119
1992-93 (Till April)	6

हुकुमचन्द मिल, इन्दौर का बन्द होना

2610. **श्री गया सिंह** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में इन्दौर की हुकुमचन्द मिल पिछले एक वर्ष से बन्द पड़ी हुई है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस मिल को फिर चालू करने के लिए क्या योजना बनाई है; और

(ग) इस मिल के स्थायी रूप से बन्द हो जाने की स्थिति में कितने मजदूरों के बेकार हो जाने की संभावना है और उनके लिए क्या वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराए जाने का विचार है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी० आई० एफ० आर०) ने मिल को गैर-अर्थक्षम पाया है तथा तदनुसार उसे बन्द करने की सिफारिश की है । तथापि, प्रबन्धकों ने ए० ए०आई० एफ० आर० के समक्ष अपील की है । ऐसा सूचित किया गया है कि इस मिल में प्रभावित होने वाले संभावित कामगारों की संख्या 5659 है ।

गया काटन एवं जूट मिल के लिए कच्चे माल की कम आपूर्ति

2611. **श्री गया सिंह** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गया काटन एण्ड जूट मिल्स को आवश्यक कच्चे माल की आपूर्ति उसकी मांग की तुलना में काफी कम हो गई है ;

(ख) उपर्युक्त मिल की मशीनों के आधुनिकीकरण के लिए क्या योजनाएं हैं;

(ग) क्या यह सच है कि मिल के प्रबन्धकों द्वारा उसकी मशीनों और भूमि की बिक्री की जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां । कार्यशील पूंजी की घोर कमी के कारण गया काटन तथा जूट मिल्स सहित एन० टी० सी० की अधिकांश मिलों में कच्चे माल की सप्लाई उनकी आवश्यकता से कम है ।

(ख) अन्य बातों के साथ-साथ निरंतर घाटे होने, कम उत्पादकता, अधिक मानव